

यह तो कपूर कमीशन ने नहीं कहा है। उन्होंने यही कहा है कि जब जानकारी प्राप्त हुई तो तहकीकात या जांच करने में कोई कमी रही या क्या करना चाहिए था इस पर उन्होंने अपनी टिप्पणी दी है। इसी संबंध में तीन अफसरों का नाम उन्होंने विशेष लिया है और उन्हीं के संबंध में जांच और कार्यवाही हो रही है। उन में से एक अफसर तो अब दुनिया में रहे नहीं और दो के खिलाफ कार्यवाही चल रही है।

गैर-बंगला भाषी लोगों की पूर्वी पाकिस्तान से भारत में घुसपैठ

+

*213. श्री जगन्नाथराव जोशी :

श्री जदेजा :

श्री निहार लस्कर :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस वर्ष मार्च, अप्रैल और मई के महीनों में पूर्वी बंगला से आये शरणार्थियों में से बहुत से गैर-बंगला भाषी घुसपैठियों को हिरासत में लिया गया था ; और

(ख) यदि हां, तो उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI K. C. PANT): (a) and (b). The facts are being ascertained from the State Governments concerned.

श्री जगन्नाथराव जोशी : अध्यक्ष महोदय, यदि इसी तरह के जवाब मिलेंगे कि तथ्य इकट्ठे किए जा रहे हैं तो मवाल पूछने का फिर मतलब क्या रहा ? सेरा कहना यह है कि कम से कम ऐसी स्थिति में जानकारी पूरी होने पर ही उत्तर दिया जाय ताकि हम सप्लीमेंट्री पूछ सकें। हमें मालूम है कि मंत्री महोदय क्वेश्चंस को टालना चाहते हैं क्योंकि बाद में

वह सदन के पटल पर सारी जानकारी रखेंगे भी तो हम उस पर सप्लीमेंट्री नहीं कर सकते हैं। तो आप ऐसा कुछ निर्देश दीजिए कि जानकारी पूरी होने पर उत्तर दें जिस में सप्लीमेंट्री हम पूछ सकें।

SHRI JYOTIRMOY BOSU : They get ten clear days' notice. Still, if they do not get the information, I do not know what we are to do.

SHRI S. M. BANERJEE : Kindly allow us to ask some supplementary questions at least.

MR. SPEAKER : There is no reply. How can there be supplementary questions now ?

श्री जगन्नाथ राव जोशी : मैं जानना चाहता हूँ कि अप्रैल महीने में जो...

अध्यक्ष महोदय . उन के पास गिलाउ कोई नहीं है। आप प्रश्न करके क्या करेंगे ?

श्री जगन्नाथ राव जोशी : आप कम से कम ऐसा निर्देश तो दे दें कि आगे ऐसा उत्तर न दिया करें...(व्यवधान)

श्री हुकम चन्द कछव य : सरकार को 21 दिन का समय हम देते हैं फिर भी वह जानकारी नहीं दे सकते।

अध्यक्ष महोदय : हमारी तो जो प्रैक्टिस है लोक सभा की हम तो रख देते हैं उस पीरियड के बाद। उनकी तरफ से जबकि न आये तो उस का हमारे पास क्या इलाज है ?

SHRI S. M. BANERJEE : May I have your guidance in this matter ?... ..

SHRI INDRAJIT GUPTA : What is the point in giving ten days' notice ? That much of time is given just for collecting the information.

श्री कृष्ण चंद्र पंत : मैं माननीय सदस्य में निवेदन करूंगा कि जो स्थिति जमीन पर है

उस पर भी जरा गौर करें। कितने लोग वहां आ गए हैं, कितने शरणार्थी आए, कितने रोज वहां आ रहे हैं, इस वक्त सारा ध्यान इस पर केन्द्रित है कि कैसे उन की व्यवस्था की जाय ? यह प्रश्न कि कितने बंगला बोलने वाले थे, कितने गैर बंगला बोलने वाले थे... (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : मवाल तो स्पष्ट है।

श्री कृष्ण चंद्र पंत : मवाल तो बड़ा स्पष्ट है पर मैं आप की सेवा में यही तो निवेदन कर रहा हूँ कि राज्य सरकारों का ध्यान इस वक्त उस व्यवस्था में लगा है कि कैसे उनको रिलीफ पहुँचाई जाय और अगर ऐसी स्थिति में राज्य सरकारें हम को कोई तथ्य नहीं भेजें तो यह बात कुछ समझ में आती है। लेकिन हम ने तो उन को लिखा है कि वह ये तथ्य जल्दी से जल्दी भेजें और वह जैसे ही भेजेंगे हम मदन के पटल पर रख देंगे।

श्री जगन्नाथ राव जोशी : हम मवाल कर्न है तो जानकारी के लिए कर्न है। मैं कहता हूँ कि दो दिन ज्यादा ले लें लेकिन मवाल का जवाब तो आना चाहिए जिस से हम जानकारी प्राप्त कर सकें। आप ऐसा कुछ निर्देश तो दे सकते हैं।

MR. SPEAKER : He should make a statement sometime later.

श्री हुकम चन्द कछवाय : बड़े दुख की बात है कि यह सवाल 7 तारीख को दिया गया था और इस पर भी सरकार की तरफ से जानकारी नहीं आई।

SHRI JYOTIRMOY BOSU : They are evading.

Export of Iron Ore to Japan

*215. **SHRI S. R. DAMANI :** Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) the quantity of iron ore committed for shipment to Japan in 1970-71 against the long-term contracts and how much was actually shipped ;

(b) in case of short supplies what are the reasons ; and

(c) whether it resulted in penalties for delayed shipments or non-fulfilment according to the terms of the contracts and, if so, the loss sustained thereby ?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISHRA) : (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House.

(c) Under the terms of the concerned contracts, there is no penalty for short delivery of quantity and hence there was no loss on this account.

Statement

Taking the various contracts together, a total quantity of 10.34 million tonnes of iron ore was to be shipped to Japan during the financial year 1970-71, compared to which the total shipments were 8.24 million tonnes. Of the consequent shortfall of 2.10 million tonnes, about half was on account of the production shortfall in the Bailadilla mine. The rest of the shortfall was due to various causes, prominent amongst which were the strike in Madras Port in April last year, the prolonged strike in Calcutta Port later in the same year, and fall in the railway movement of Barajamda ore towards Paradeep Port and Calcutta about the middle of last year.

SHRI S. R. DAMANI : I specifically asked how much quantity has been exported against long term contracts. But in the statement all are combined together. I want a specific answer to my specific question.

SHRI L. N. MISHRA : In the statement, we have mentioned that taking the various contracts together including long-term contracts, a total quantity of 10.34 million tonnes of iron ore were to be shipped to Japan during the financial year 1970-71 as against which the total shipments were 8.24 million tonnes, leaving a shortfall of about 2.10 million tonnes. I accept there has been a shortfall.